दिनांक 7 व 8 मार्च 2025 को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया गया।

vivo V25
Ajit Pratap Agnihotri Mar 7, 2025, 15:57

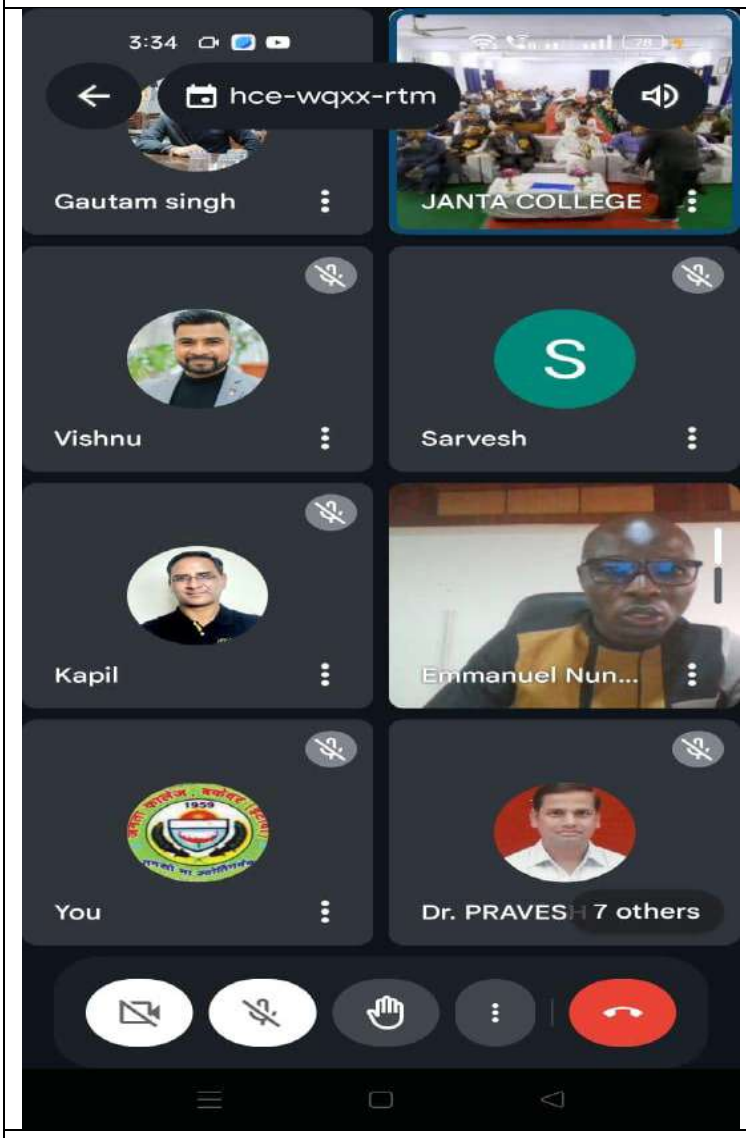
3:34
hce-wqxx-rtm
Gautam singh
JANTA COLLEGE
Vishnu
S
Sarvesh
Kapil
Emmanuel Nun...
You
Dr. PRAVESH
7 others

3:17
hce-wqxx-rtm
What is a start-up:
➢Start-ups are developing innovative tools, and products as well as offering agriculture and advisory services using various online and offline mobile services to the farmers.
Ajay is presenting
You
JANTA CO
15 others

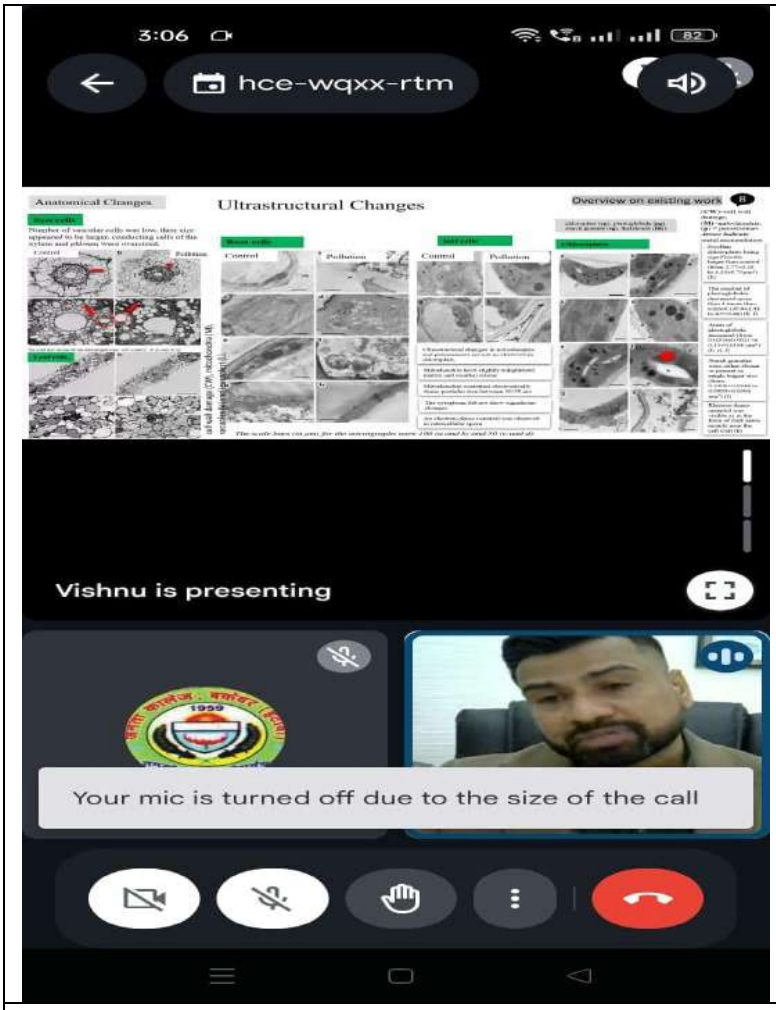

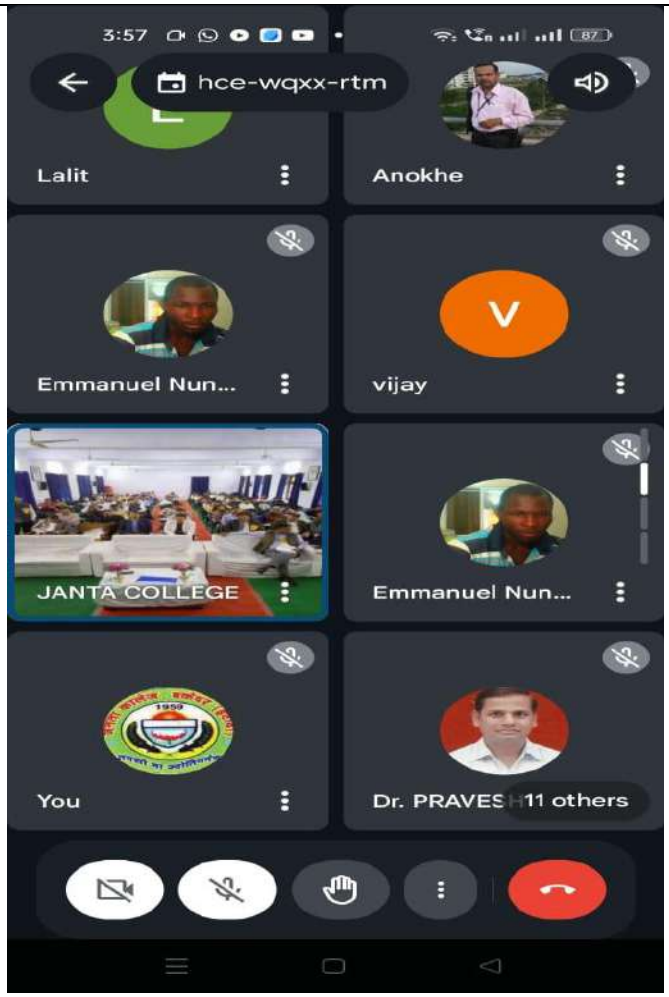

मात हो गयी।

जनता कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में नवाचार, उद्यमिता व इनक्यूबेशन बिषय से हुआ शुभारम्भ

देश विदेश के वैज्ञानिक शिक्षाविद शोधकर्ताओं और छात्रों ने किया प्रतिभाग

ई-सोविनियर का विमोचन करते हुए मंचस्थ अतिथिगण एवं अन्य उपस्थिति के छायाचित्र।

बकेवर (इटावा) 7 मार्च। जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा में 'विज्ञान, कृषि, वाणिज्य और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार, उद्यमिता और इनक्यूबेशन' विषय पर अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का प्रथम दिवस पर भव्य शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा अतिथि गणों के स्वागत सत्कार के साथ प्राचार्य प्रो. डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में कॉन्फ्रेंस संयोजिका प्रो. डॉ. नलिनी शुक्ला तथा संयोजक सचिव डॉ संजय कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में कॉलेज की व्यायामशाला में कराया गया। इस सम्मेलन में देश-विदेश के प्रख्यात वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री उमाशंकर पांडेय, विशेष अतिथि के रूप में महिला सशक्तिकरण और न्याय के क्षेत्र में कार्यरत उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली की प्रख्यात अधिवक्ता सीमा समृद्धि कुशवाहा एडवोकेट एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. कमला पाठक, डीन फार्मेसी यू पी रिम्स, सैफई, उ.प्र. रहे, प्रबंध समिति सचिव अरविंद कुमार मिश्र, प्रो डॉ राजवीर सिंह आरबीएस कॉलेज आगरा, प्रो एम के श्रीवास्तव प्राचार्य नारायण कॉलेज शिकोहाबाद सहित विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षाविद, उद्योग जगत के विशेषज्ञ, समाजसेवी एवं गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। देश-विदेश से प्राप्त शोध पत्रों की प्रकाशित ई-सोविनियर का विमोचन मंचस्थ अतिथियों द्वारा किया गया। दो दिवसीय कांफ्रेंस के प्रथम दिवस पर रूस, घाना, सिंगापुर तथा नई दिल्ली से आमंत्रित अतिथियों के शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण हाइब्रिड ढंग से किया गया।कॉन्फ्रेंस के उद्देश्य के मुख्य बिंदु के रुप में नवाचार, उद्यमिता और इनक्यूबेशन को बढ़ावा देना रहा, जिससे विज्ञान, कृषि, वाणिज्य और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न किए जा सकें। कार्यक्रम के माध्यम से निम्नलिखित विषयों पर गहन चर्चा हुई जिनमें सर्वप्रथम जल संरक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका एवं पर्यावरणीय संतुलन पर मुख्य अतिथि उमाशंकर पांडेय ने प्रकाश डाला और वर्षा जल संचयन व जल स्रोतों के पुनर्जीवन पर जोर दिया, उन्होंने माता-पिता और गुरु को छात्र जीवन का नायक बताया और जागरूक रहने की बात की। महिला सशक्तिकरण विषय पर विशिष्ट अतिथि महिला सुरक्षा और लैंगिक समानता के लिए संघर्षरत देश की आवाज एडवोकेट सीमा समृद्धि कुशवाहा ने महिलाओं के अधिकार, कानूनी सुरक्षा और उद्यमिता में महिलाओं की भागीदारी पर अपने विचार रखते हुए कहा कि संतान में परिवार द्वारा दिए गए आरंभिक संस्कार और आदर्श परवरिश ही महिलाओं के लिए सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर विशिष्ट अतिथि डॉ. कमला पाठक ने 'कार्यस्थल पर लैंगिक हिंसा की रोकथाम से संबंधित' अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें उच्चतम न्यायालय द्वारा लागू विभिन्न अधिनियमों पर प्रकाश डाला।

नारी सशक्तिकरण के क्रम में महिला उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाने जिसके अंतर्गत क्षेत्र की 500 से अधिक महिलाएं आचार, पापड़, मशरूम उत्पादन, सिलाई, अगरबत्ती निर्माण जैसे व्यवसायों से जुड़ी हुई हैं। कॉलेज द्वारा जल संरक्षण परियोजनाएं, गांवों में जल संचयन, तालाब पुनर्जीवन, कटाव रोकथाम जैसी परियोजनाएं संचालित की जाने पर बल दिया गया .। कॉन्फ्रेंस के प्रथम दिवस का समापन सम्मान समारोह के साथ हुआ, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में प्राचार्य प्रो. डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी द्वारा जनता कॉलेज बकेवर परिवार की तरफ से तथा उत्तराखंड के प्रतिष्ठित शोध जनरल जेएसएसटी-आरएल एवं प्रतिष्ठित उद्यमियों भलसार सीड्स इंडिया प्रा.लि. बैंगलोर, आदी आईडियोलॉजी प्रा. लि. जयपुर, बम्सा एग्रो प्रा. लि. नई दिल्ली आदि के द्वारा संयुक्त रूप से क्रमशः प्रदान कर निम्नवत सम्मानित किया गया।

कॉन्फ्रेंस का सफल संचालन प्रो. ललित गुप्ता एवं डॉ नवीन अवस्थी ने किया। अन्य आगंतुक विशिष्ट अतिथियों में अनिल दीक्षित अध्यक्ष पूर्व छात्र समिति जनता कॉलेज बकेवर, ओपी मिश्र, डॉ विवेक त्रिपाठी डीन उद्यान विभाग सी एस ए कानपुर, डॉ प्रीति पांडेय, शशांक भारद्वाज उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अनुशासन अधिकारी प्रो डॉ अशोक कुमार पांडेय, प्रो महेश प्रसाद यादव, सह संयोजक प्रो. डॉ प्रमोद कुमार राजपूत, डॉ. आदित्य कुमार, सह संयोजक सचिव लेफ्टिनेंट ब्रह्मानंद, डॉ. नवीन अवस्थी, डॉ गोपीनाथ मौर्य, डॉ. दिव्यांश पांडेय, डॉ प्रकाश दुबे, डॉ योगेश शुक्ल, डॉ इंदुबाला मिश्रा, डॉ दिव्य ज्योति मिश्र, डॉ संतोष सिंह चंदेल, डॉ मनोज यादव, कुलदीप अवस्थी, अजय कुमार शर्मा, अश्वनी कुमार मिश्र आदि सहित समस्त संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कॉलेज परिवार की उपस्थिति एवं सहयोग रहा।

अमर उजाला युवा Youth

इस्राइल के वैज्ञानिक ने जेट्रोफा को बताया भविष्य का ईंधन

बकेवर। जनता कॉलेज में चल रहे सेमिनार में शनिवार को कई वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों ने शोध प्रस्तुत किए। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के सात शोधपत्र भी शामिल हैं।

विज्ञान, कृषि, वाणिज्य और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार आदि विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में इस्राइल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत बरलान ने नवाचार, डॉ. इमानुल नुनू अकन घाना ने नवाचार उद्यमशीलता एवं बायो ईंधन के रूप में जेट्रोफा पर शोधपत्र प्रस्तुत किए।

मुख्य वक्ता प्रो.आशा शुक्ला, पूर्व कुलपति डॉ आंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय महू इंदौर मध्य प्रदेश ने लैंगिक समानता के लिए महिलाओं से संबंधित सामाजिक कुप्रथाओं को रोकने के लिए जागरूक शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका के निर्वहन की बात की। नारायण कॉलेज शिकोहाबाद की हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा चतुर्वेदी ने कहा कि साहित्य लेखन के साथ विज्ञान, चित्रकला आदि से लोक जीवन के सभी क्षेत्रों में राष्ट्रीय चेतना को समृद्धशाली, स्त्रियों को समानता का अवसर समाज की समदृष्टि प्रदान करती है।

चौधरी चरण सिंह पीजी कॉलेज हैंवरा से डॉ. अरुणा दुबे ने शोध में महिला उद्यमिता में चुनौतियां और समाधान पर बात रखी। कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज इटावा की डॉ श्वेता दुबे ने नवाचार और उद्यमिता में महिलाओं की भूमिका बताई। (संवाद)

होली विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

अमर उजाला कानपुर ,इटावा अंक, दि-9 मार्च 2025 पृ.सं-7

जल संरक्षण के लिए जनक्रांति की अत्यंत जरूरत : उमाशंकर

संवाददाता बकेवर इटावा

जलयोद्धा उमाशंकर पांडेय।

अमृत विचार। जल क्रांति को जन क्रांति बनाना होगा, जल धन है इसको बचाने की हम सब की जिम्मेदारी है। अगला विश्वयुद्ध पानी के लिए होगा। जल विश्वविद्यालय बनाना होगा। उक्त विचार जलयोद्धा उमाशंकर पांडेय ने दिये।

जलयोद्धा के नाम से प्रख्यात समाजसेवी पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पहला विश्वयुद्ध अन्न के लिए हुआ दूसरा पेट्रोलियम तेल के लिए हुआ था। तीसरा विश्वयुद्ध अगर दुनियां में हुआ तो वह पानी के लिए होगा। पानी बचाने के लिए सबको प्रयास करने होंगे। पानी से बड़ा कुछ नहीं हैं। जिस बुंदेलखंड में कभी मालगाड़ी से पानी जाता था । आज बुंदेलखंड क्षेत्र से सबसे अधिक धान होने लगा है। जसवंतनगर की मीलों में आज बुदेलखंड से लाखों कुंतल धान आ रहा है। केपटाउन दुनिया का पहला शहर है जहां से पानी खत्म हो गया।बेंगलुरु में चेन्नई दिल्ली में पानी नहीं है।गंगा यमुना के देश मे पानी का बाजार खड़ा हो गया है। बीस रुपये लीटर पानी मिल रहा है। जलधन राष्ट्र की सम्पत्ति है। दुनियां में जल संकट है।पानी का बाजार खड़ा हो गया है।बर्तन धोने, गाड़ी धोने, पोछा लगाने व सब्जी धोने वाला पानी को दुबारा से प्रयोग करते हुए पौधों में भी डाल कर उतना ही पानी बचा सकते हैं। प्रेसवार्ता के दौरान कालेज प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी मौजूद रहे।

अमृत विचार कानपुर ,इटावा अंक ,पृ.सं-2 दि.9 मार्च 2025

सेमिनार में 51 वैज्ञानिक सम्मानित

जनता कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन

बकेवर। जनता कॉलेज में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का रविवार की शाम समापन हो गया। इसमें 51 वैज्ञानिकों को मेडल व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। सेमिनार में सात अंतरराष्ट्रीय और 52 राष्ट्रीय शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

प्रो. प्रवीण कुमार सारस्वत ने कहा कि विज्ञान की प्रगति को छोटे-छोटे नवाचार से ही जनमानस तक पहुंचाया जा सकता है। प्रो. पद्मा त्रिपाठी ने महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक सहनशील, मजबूत, दृढ़ इच्छा शक्ति वाला तथा मितव्ययी बताया। कहा कि प्राचीन काल में महिलाओं की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में निर्णायक भूमिका रही है। प्राचार्य प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने नारी के प्रति सम्मान के दृष्टिकोण पर चर्चा की।

प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी ने देश-विदेश से जुड़े वैज्ञानिकों, अतिथियों , शिक्षाविदों , एमओयू सहयोगियों को आश्वस्त किया कि आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को पूरा करने में कालेज अपनी भूमिका निभाता रहेगा। 15 पोस्टर प्रजेंटेशन के साथ 400 से अधिक वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और शोध छात्रों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन माध्यमों से सहभागिता की।

प्राचार्य प्रो. त्रिपाठी ने छात्रों को निःशुल्क ट्रेनिंग, इंटर्नशिप प्रदान करने के लिए एमओयू सहयोगियों को उनके सहयोग के लिए सम्मानित किया। शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की पत्नियों को सम्मानित किया। (संवाद)

अमर उजाला, कानपुर -औरैया अंक, पेज -5, 10 मार्च 2025

जल क्रांति को जनक्रांति बनाकर जल धन को बचाने की जिम्मे

बकेवर (इटावा) 9 मार्च। जल क्रांति को जन क्रांति बनाना होगा। जल धन है इसको बचाने की हम सब की जिम्मेदारी है। अगला विश्वयुद्ध
अभी जल पाठशाला चला रहा हूँ। अभी ढाई हजार पाठशाला चला रहा हूँ।उक्त विचार जलयोद्धा के नाम से प्रख्यात समाजसेवी पद्मश्री उमा
श्री पाण्डेय ने कहा कि पहला विश्वयुद्ध अन्न के लिए हुए दूसरा पेट्रोलियम तेल के लिए हुआ था और तीसरा विश्वयुद्ध अगर दुनियाँ में हुआ
पानी बचाने के लिए सबको प्रयास करने होंगे।पानी से बड़ा कुछ नहीं हैं, जिस बुंदेलखंड में कभी मालगाड़ी से पानी जाता था। आज बुंदेलखं
की मीलों में आज बुदेलखंड से लाखों कुंतल धान आ रहा है। केपटाउन दुनिया का पहला शहर है जहां से पानी खत्म हो गया।बेंगलुरु में
का बाजार खड़ा हो गया है। बीस रुपये लीटर पानी मिल रहा है। जलधन राष्ट्र की सम्पत्ति है। दुनियाँ में जल संकट है। पानी का बाजार ख
सब्जी धोने वाले पानी को दोबारा से प्रयोग करते हुए पौधों में भी डाल कर उतना ही पानी बचा सकते हैं। प्रेसवार्ता के दौरान कॉलेज प्राचा

आज -कानपुर, इटावा अंक ,पृष्ठ संख्या 2,दिनांक 10 मार्च 2025

विभिन्न शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण व 51 विद्वत जनों के सम्मान के साथ अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन

बकेवर, ०९ मार्च (निप्र)। जनता कालेज बकेवर द्वारा विज्ञान, कृषि, वाणिज्य और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में इन्नोवेशन,इन्टरप्रिनियोरशिप और इनक्यूबेशन विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन किया गया। जिसमें ७ अंतरराष्ट्रीय व ५२ राष्ट्रीय शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, १५ पोस्टर प्रेजेंटेशन के साथ ४०० से अधिक वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों तथा शोध छात्रों की आफलाइन व आनलाइन माध्यमों से सहभागिता की। समापन समारोह का आयोजन सचिव प्रबंध समिति अरविंद कुमार मिश्र के संरक्षण तथा प्राचार्य प्रो. डॉ० राजेश किशोर त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में ,मुख्य अतिथि प्रो प्रवीण कुमार सारस्वत प्राचार्य आईओपी कालेज वृंदावन, विशिष्ट अतिथि प्रोद्र पदमा त्रिपाठी कर्म क्षेत्र महाविद्यालय इटावा, प्रोद्र अनुपमा चतुर्वेदी नारायण कालेज शिकोहाबाद तथा प्रो० शैलेंद्र कुमार शर्मा प्राचार्य हैंबरा, कौशल कुमार डीन, सीएसए कानपुर, डॉ० अजय दुबे, महिला महाविद्यालय इटावा, अखिलेश तिवारी तथा सुनीता तिवारी प्रबंध निदेशक आदि आईडियोलॉजी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रो.प्रवीण कुमार सारस्वत ने कहा कि विज्ञान की प्रगति को छोटे-छोटे धरातलीय नवाचार द्वारा ही जनमानस तक पहुंचाया जा सकता है।

संगोष्ठी के समापन कार्यक्रम में सभी शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम संयोजिका प्रो नलिनी शुक्ला, संयोजन सचिव डॉ० संजय कुमार विश्वकर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन डॉ० प्रोफेसर ललित गुप्ता तथा डॉ० गोपीनाथ मौर्य ने किया। समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

देशधर्म -इटावा ,प्र.सं.08, दिनांक -10 मार्च 2025

लैंगिक समानता के लिए कुप्रथाओं को रोकने में आगे आएं शिक्षक

- अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में प्रकाशित किए 250 से अधिक शोध पत्र
- शिक्षाविदों ने हाइब्रिड रूप में 52 शोध पत्र किए प्रस्तुत

संवाद सूत्र, जागरण • बकेवर : डा. अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय महू इंदौर मध्य प्रदेश की पूर्व कुलपति प्रो. आशा शुक्ला ने लैंगिक समानता के लिए महिलाओं से संबंधित वर्तमान सामाजिक कुप्रथाओं को रोकने के लिए जागरूक शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका के निर्वाहन की बात कहते हुए एक शिक्षक को समाज का महत्वपूर्ण घटक बताया।

प्रो. शुक्ला जनता कालेज में विज्ञान, कृषि, वाणिज्य और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार, उद्यमिता और इनक्यूबेशन विषय पर अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस के दूसरे दिन बोल रही थीं। नारायण कालेज शिकोहाबाद की हिंदी विभागाध्यक्ष डा. अनुपमा चतुर्वेदी ने बताया कि महिलाओं ने साहित्य लेखन के साथ विज्ञान, चित्रकला आदि द्वारा लोक जीवन के सभी क्षेत्रों में राष्ट्रीय चेतना को समृद्धशाली बनाया है।

जनता कालेज बकेवर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौजूद लोग • स्रोत

अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में 250 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए गए एवं कुल 52 शोध पत्रों को वैज्ञानी एवं शिक्षाविदों द्वारा हाइब्रिड रूप से प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य डा. राजेश किशोर त्रिपाठी के निर्देशन में कांफ्रेंस संयोजिका डा. नलिनी शुक्ला तथा संयोजक सचिव डा. संजय कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में कालेज के संगोष्ठी सभागार में आयोजित कांफ्रेंस में प्रथम तकनीकी सत्र में वैज्ञानी डा. शशिकांत बरलान विश्वविद्यालय इजरायल ने नवाचार आधारित, द्वितीय सत्र में डा. इमानुल नुनू अकन घाना ने नवाचार उद्यमशीलता एवं बायो ईंधन के रूप में जेट्रोफा पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। प्रो. विवेक त्रिपाठी डीन कृषि चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर ने कृषि में नवाचार और उद्यमशीलता पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। प्रो. राजवीर सिंह आरबीएस कालेज आगरा ने अपने शोध पत्र में एकीकृत फसल प्रणाली द्वारा सकल घरेलू उत्पाद की दर बढ़ाने की बात की। वैज्ञानी डा. कपिल कुमार त्रिपाठी, तकनीकी विकास बोर्ड, विज्ञान और तकनीकी विभाग नई दिल्ली ने अपने शोध पत्र प्रस्तुतिकरण में विज्ञान और तकनीक द्वारा नवाचार से रोजगार उत्पन्न कर ग्रामीण भारत को सुदृढ़ बनाने की बात की।

Grow your wealth with Bajaj

दैनिक जागरण कानपुर, इटावा अंक, पृष्ठ संख्या- 2 ,दिनांक 10 मार्च 2025

महिला वैज्ञानिकों के नाम रहा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का सेमिनार

चेतना कार्यालय

बकेवर। जनता कॉलेज, बकेवर, में सेमिनार में कई वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों ने अपने अपने शोध प्रस्तुत किये। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 7 शोधपत्र प्रस्तुत किये गए। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस शनिवार का सेमिनार महिला वैज्ञानिकों के नाम रहा विज्ञान, कृषि, वाणिज्य और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार, उद्यमिता और इनक्यूबेशन विषय पर अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस मे प्राचार्य प्रो. डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी निर्देशन में कॉन्फ्रेंस संयोजिका प्रो. डॉ. नलिनी शुक्ला तथा संयोजक सचिव डॉ संजय कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में कॉलेज के संगोष्ठी सभागार में आयोजित सभागार में वैज्ञानिक डॉ शशिकांत बरलान विश्वविद्यालय इजरायल ने

नवाचार पर डा. इमानुल नुनू अकन, घाना ने नवाचार उद्यमशीलता एवं बायो ईंधन के रूप में जेट्रोफा पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। प्रो. विवेक त्रिपाठी डीन कृषि चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के डॉ विवेक त्रिपाठी ने कृषि में नवाचार और उद्यमशीलता पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। प्रो राजवीर सिंह आरबीएस कॉलेज आगरा ने एकीकृत फसल प्रणाली से सकल घरेलू उत्पाद की दर बढ़ाने की बात की वैज्ञानिक डॉ कपिल कुमार त्रिपाठी, तकनीकी विकास बोर्ड, विज्ञान और तकनीकी विभाग नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ कपिल कुमार ने विज्ञान और तकनीक के से नवाचार से रोजगार उत्पन्न कर ग्रामीण भारत को सुदृढ बनाने की बात की। डा डाली रानी, राजकीय महिला महाविद्यालय इटावा ने महिलाओं की आर्थिक स्थिति बढ़ाने से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय चेतना, इटावा ,पृष्ठ संख्या-06, दि.-10-03-2025

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण व ५१ विद्वत जनों के सम्मान के साथ अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का हुआ समापन

करंट विजन संवाददाता

जनता कॉलेज बकेवर , इटावा द्वारा विज्ञान, कृषि, वाणिज्य और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में इन्नोवेशन, इन्टर प्रिनियोरशिप और इनक्यूबेशन विषय पर 7—8 मार्च 2025 में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन किया गया।जिसमें 7 अंतरराष्ट्रीय व 52 राष्ट्रीय शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, 15 पोस्टर प्रेजेंटेशन के साथ 400 से अधिक वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों तथा शोध छात्रों की आफलाइन व आनलाइन माध्यमों से सहभागिता की। समापन समारोह का आयोजन सचिव प्रबंध समिति अरविंद कुमार मिश्र के संरक्षण तथा प्राचार्य प्रो. डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में ,मुख्य अतिथि प्रो प्रवीण कुमार सारस्वत प्राचार्य आईओपी कॉलेज वृंदावन, विशिष्ट अतिथि प्रो० पदमा त्रिपाठी कर्म क्षेत्र महाविद्यालय इटावा, प्रो० अनुपमा चतुर्वेदी नारायण कॉलेज शिकोहाबाद तथा प्रो० शैलेंद्र कुमार शर्मा प्राचार्य हैंबरा, कौशल कुमार डीन,सीएसए कानपुर,डॉ अजय दुबे ,महिला महाविद्यालय इटावा , अखिलेश तिवारी तथा सुनीता तिवारी प्रबंध निदेशक आदि आईडियोलॉजी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रो.प्रवीण

कुमार सारस्वत ने कहा कि विज्ञान की प्रगति को छोटे—छोटे धरातलीय नवाचार द्वारा ही जनमानस तक पहुंचाया जा सकता है। प्रो. पदमा त्रिपाठी ने कांफ्रेंस में वैज्ञानिकों तथा शोध विद्वानों की अधिकतम उपस्थिति हेतु महाविद्यालय परिवार की प्रशंसा करते हुए अपने नारी सशक्तिकरण विषय आधारित उद्बोधन में महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक सहनशील, मजबूत, दृढ़ इच्छा शक्ति वाला तथा मितव्ययी बताते हुए प्राचीन काल में भारतवर्ष में महिलाओं की राजनैतिक , सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र में निर्णायक भूमिका व वर्तमान में स्वंयसेवी समूहों के माध्यम से आर्थिक सबलता व कृषि क्षेत्र में नवाचार के विषय में अपने शोध के माध्यम से विचार रखे।प्रो शैलेंद्र कुमार शर्मा प्राचार्य ने नारी के प्रति सम्मान के दृष्टिकोण पर चर्चा की। सारांश प्रस्तुत करते हुए प्राचार्य प्रो. त्रिपाठी ने अपने देश— विदेशों से जुडे आमंत्रित व्याख्यान देने वाले वैज्ञानिकों, आगंतुक अतिथियों , शिक्षाविदों , एमओयू सहयोगियों तथा कालेज परिवार के प्रत्येक सदस्य सहित सभी के प्रति आभार व्यक्त किया और सभी को आश्वस्त किया कि आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को पूरा करने में कालेज अपनी भूमिका निभाता रहेगा। भविष्य में जन मानस के उत्थान के लिए विभिन्न मुद्दों पर राष्ट्रीय , अंतरराष्ट्रीय स्तर की कॉन्फ्रेंस, वर्कशॉप तथा ट्रेनिंग आयोजित करवाता रहेगा। कॉलेज के पूरे स्टाफ ने सक्रिय सहयोग देकर इस कान्फ्रेंस को सफल बनाया।शोध छात्रों के द्वारा बनाये गये नवाचार उद्यमिता के विभिन्न मॉडलों को पोस्टर के रूप में प्रस्तुत किया गया। जिनका मूल्यांकन कर अमित कुमार यादव जनता कॉलेज बकेवर प्रथम ,उपेंद्र सिंह एसवीबीपी विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय तथा मिथिलेश कुमार जनता महाविद्यालय अजीतमल तृतीय स्थान को पुरस्कृत किया गया। रिव्यू पेपर प्रस्तुतीकरण में कीर्ति राजपूत ,अंशु यादव तथा अनुष्का राठौर जनता कॉलेज बकेवर क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। हर्षित कुमार ,प्रखर त्रिपाठी, सान्याल विश्वकर्मा तथा शुभांजलि त्रिपाठी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतिष्ठित एमओयू उद्यमी भलसार सीड्स इंडिया प्रा.लि. बैंगलोर ,आदी आईडियोलॉजी प्रा. लि. जयपुर ,ब्रम्सा एग्रो प्रा. लि. नई दिल्ली, एसवीआईआईटी इटावा के प्रबंध निदेशकों एवं उत्तराखंड के प्रतिष्ठित शोध जनरल जेएराएसटी—आरएल द्वारा शोध एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं हेतु 51 विद्वजनों को सम्मानित किया जिनमें प्रो० पदमा त्रिपाठी, प्रो. अनुपमा चतुर्वेदी, प्रो प्रवीण कुमार सारस्वत, प्रो अजय दुबे, प्रो कौशल कुमार, डॉ प्रीति पांडेय,डॉ तृप्ति दीक्षित उत्तराखंड ,डॉ शशिकांत विश्वकर्मा ,डॉ श्वेता दुबे, प्रतिभा श्रीवास्तव,कीर्ति राजपूत तथा कॉलेज के प्रोफेसर शामिल थे ।प्राचार्य प्रो. त्रिपाठी ने छात्रों को निरुशुल्क ट्रेनिंग ,इंटर्नशिप प्रदान करने हेतु एमओयू सहयोगियों को उनके उत्कृष्ट सहयोग हेतु द्वारा शॉल अलंकरण, अवार्ड तथा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में प्राचार्य द्वारा कॉलेज के शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की धर्मपत्नियों को तथा आमंत्रित दूरस्थ स्थानों से आई हुई।

महिला प्रतिभागियों को मंच द्वारा सम्मान प्रदान किया, इसकी सराहना सभी ने की।सम्मानित महिलाओं में डा०साधना यादव,लखनऊ,डा० अरुणा दुबे,डा0श्वेता दुबे, प्रतिभा श्रीवास्तव आदि ने फीडबैक सत्र में कहा कि इस उत्कृष्ट प्लेटफार्म पर सम्मानित होना मुझे गर्व की अनुभूति करा रहा है।संगोष्ठी केसमापन कार्यक्रम में सभी शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम संयोजिका प्रो नलिनी शुक्ला, संयोजन सचिव डॉ संजय कुमार विश्वकर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन डॉक्टर प्रोफेसर ललित गुप्ता तथा डॉक्टर गोपीनाथ मौर्य ने किया।समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

करंट विजन इटावा ,Page-4, Date- 10-03-2025

INTERNATIONAL CONFERENCE

INTERNATIONAL CONFERENCE

INTERNATIONAL CONFERENCE

INTERNATIONAL CONFERENCE

INTERNATIONAL CONFERENCE

INTERNATIONAL CONFERENCE

राष्ट्रीय शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण व 51 विद्वतजनों के सम्मान के साथ अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का हुआ समापन

इटावा (स्पष्ट आवाज)। जनता कॉलेज बकेवर,इटावा द्वारा विज्ञान, कृषि, वाणिज्य और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में इन्नोवेशन, इन्टरप्रिनियोरशिप और इनक्यूबेशन विषय पर 7--8 मार्च 2025 में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन किया गया,जिसमें 7 अंतरराष्ट्रीय व 52 राष्ट्रीय शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, 15 पोस्टर प्रेजेंटेशन के साथ 400 से अधिक वैज्ञानिकों,शिक्षाविदों तथा शोध छात्रों ने आफलाइन व आनलाइन माध्यमों से सहभागिता की।समापन समारोह का आयोजन सचिव प्रबंध समिति अरविंद कुमार मिश्र के संरक्षण तथा प्राचार्य प्रो.डॉ.राजेश किशोर त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में मुख्य अतिथि प्रो.प्रवीण कुमार सारस्वत प्राचार्य आईओपी कॉलेज

वृंदावन,विशिष्ट अतिथि प्रो.पदमा त्रिपाठी कर्म क्षेत्र महाविद्यालय इटावा,प्रो.अनुपमा चतुर्वेदी नारायण कॉलेज शिकोहाबाद तथा प्रो.शैलेंद्र कुमार शर्मा प्राचार्य हैंबरा, इटावा, कौशल कुमार डीन,सीएसए कानपुर, डॉ.अजय दुबे महिला महाविद्यालय इटावा, अखिलेश तिवारी तथा सुनीता तिवारी प्रबंध निदेशक आदि आईडियोलॉजी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। मुख्य अतिथि प्रो.प्रवीण कुमार सारस्वत ने कहा कि विज्ञान की प्रगति को छोटे-छोटे धरातलीय नवाचार द्वारा ही जनमानस तक पहुंचाया जा सकता है।प्रो. पदमा त्रिपाठी ने कांफ्रेंस में वैज्ञानिकों तथा शोध विद्वानों की अधिकतम उपस्थिति हेतु महाविद्यालय परिवार की प्रशंसा करते हुए अपने नारी सशक्तिकरण विषय आधारित उद्बोधन में महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक सहनशील,मजबूत,दृढ़ इच्छा शक्ति वाला तथा मितव्ययी बताते हुए प्राचीन काल में भारतवर्ष में महिलाओं की राजनैतिक, सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र में निर्णायक भूमिका व वर्तमान में स्वंयसेवी समूहों के माध्यम से आर्थिक सबलता व कृषि क्षेत्र में नवाचार के विषय में अपने शोध के माध्यम से विचार रखे।

प्रो.शैलेंद्र कुमार शर्मा प्राचार्य ने नारी के प्रति सम्मान के दृष्टिकोण पर चर्चा की। सारांश प्रस्तुत करते हुए प्राचार्य प्रो.त्रिपाठी ने अपने देश-विदेशों से जुड़े आमंत्रित व्याख्यान देने वाले वैज्ञानिकों, आगंतुक अतिथियों, शिक्षाविदों, एमओयू सहयोगियों तथा कालेज परिवार के प्रत्येक सदस्य सहित सभी के प्रति आभार व्यक्त किया और सभी को आश्वस्त किया कि आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को पूरा करने में कालेज अपनी भूमिका निभाता रहेगा। भविष्य में जन मानस के उत्थान के लिए विभिन्न मुद्दों पर राष्ट्रीय,अंतरराष्ट्रीय स्तर की कॉन्फ्रेंस, वर्कशॉप तथा ट्रेनिंग आयोजित करवाता रहेगा। कॉलेज के पूरे स्टाफ ने सक्रिय सहयोग देकर इस कान्फ्रेंस को सफल बनाया।शोध छात्रों के द्वारा बनाये गये नवाचार उद्यमिता के विभिन्न मॉडलों को पोस्टर के रूप में प्रस्तुत किया गया।